वेद-वार्ता
Veda-vārtā

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन का त्रैमासिक वार्तापत्र
Quarterly News Letter of Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan, Ujjain

स्थापना वर्ष - १९८७ | विक्रम संवत् २०८२ | अप्रैल २०२५ से सितम्बर २०२५ तक | कुल पृष्ठ संख्या - २४ | संयुक्ताङ्क : ५०-५१

समाचार संकेतिका

- साचिव्यम् 01-02
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण 03-04
- प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप 04
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड को मान्यता 04-05
- वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना 05-06
- प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों का गतिविधि वृत्तान्त 06-09
- 65वीं परियोजना समिति से स्वीकृत प्रतिष्ठान के विविध कार्यक्रम (2025-2026) 09-10
- द्वादश ज्योतिर्लिङ्गों में द्वादश सौमिक सुवृष्टि सोमयाग 10-11
- आचार्य शङ्कर प्रकटोत्सव (एकात्म पर्व) 12-13
- माननीय केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री तथा प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का प्रतिष्ठान परिसर में आगमन 13
- राजभाषा निरीक्षण के अवसर पर प्रतिष्ठान के हिन्दी प्रयत्नों को मिला प्रशंसा-प्रसून 14
- प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित पूरक परीक्षा (शैक्षणिक सत्र 24-25) 14
- अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस 15
- राजभाषा सम्मेलन 15-16
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher Course) प्रशिक्षण का आयोजन 16-17
- आधुनिक विषय अध्यापकों के लिए सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 17-18
- आपातकाल के आलोक में संविधान हत्या दिवस 18
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का 39वाँ स्थापना दिवस समारोह-2025 18-19
- 79वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह- 2025 19-20
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम का प्रारम्भ दिवस 20
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका का स्थापना दिवस 20-21
- प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण 21
- राजभाषा हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा 22
- अन्तरिक्ष क्रान्ति दिवस 22-23
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक का प्रारम्भ दिवस 23
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का स्थापना दिवस समारोह 24
- वेद ज्ञान सप्ताह समारोह 24

साचिव्यम्

प्रिय पाठको ! आप सभी को विदित है कि दिनाङ्क 08 अगस्त, 2022 को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड की स्थापना की गई। स्थापना के उपरान्त वर्ष 2023 से उक्त बोर्ड द्वारा वेदभूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा-10वीं) एवं वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा-12वीं) की बोर्ड परीक्षाओं का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा प्रणाली के प्रमुख घटक सस्वर वेद की मौखिक परीक्षा जिसमें कण्ठस्थीकरण, सस्वर पाठ एवं शुद्ध उच्चारण सम्मिलित हैं तथा सहगामी आधुनिक विषयों (यथा संस्कृत, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, भारतीय ज्ञान-परम्परा एवं वैदिक साहित्य का इतिहास) की लिखित परीक्षाएँ हैं। इसी क्रम में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 की बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन कर परिणाम घोषित किये गए, जिनमें वेदभूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा-10वीं) में 615 छात्रों तथा वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा-12वीं) में 583 छात्रों ने सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार, शैक्षणिक सत्र 2024–25 के अंतर्गत वेदभूषण प्रथम वर्ष से चतुर्थ वर्ष (कक्षा-6ठी से कक्षा-9वीं) तथा वेदविभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा-11वीं) की सस्वर वेद की मौखिक परीक्षाओं एवं उपर्युक्त सहगामी आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षाओं का आयोजन एवं परीक्षा परिणामों का प्रकाशन महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा किया गया। सभी उत्तीर्ण छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ। ऐसे समस्त छात्र जो इन परीक्षाओं में अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर सके हैं, उनसे यह अपेक्षा है कि वे आगामी परीक्षाओं में उत्कृष्ट उपलब्धि के संकल्प के साथ निरंतर परिश्रम एवं अध्ययन में प्रवृत्त होंगे।

इस अवधि में प्रतिष्ठान की परियोजना समिति, अनुदान समिति की बैठकों का भी आयोजन किया गया। परियोजना समिति द्वारा वर्ष 2025-26 में आयोजित किये जाने वाले विविध कार्यक्रमों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसी अनुक्रम में शेष सोमयागों का आयोजन भी इस भावना के साथ सम्पूर्ण हुआ कि हमारी पृथिवी सुजलाम्, सुफलाम्, मलयजशीतलाम् रहे।

वेद हमारे ब्रह्म हैं यह इतने विशाल और अनन्त हैं जितना स्वयं ब्रह्म। भरद्वाज ऋषि की सुन्दर कथा प्राप्त होती है जिसमें कहा गया है कि स्वयं भरद्वाज ऋषि ने अपनी एक सौ वर्ष की आयु पूर्ण कर ली और इस अवधि में अपना सम्पूर्ण जीवन वेदों के

अविरत....2

अध्ययन हेतु समर्पित कर दिया लेकिन अध्ययन पूर्ण नहीं कर सके। ऋषि ने सृष्टिकर्ता ब्रह्मा से प्रार्थना की कि मेरे अध्ययन को निरन्तर जारी रखने के लिए एक सौ वर्ष की आयु प्रदान करें। ब्रह्माजी ने एक सौ वर्ष की आयु का वरदान दे दिया। लेकिन यह अवधि भी अध्ययन के लिए कम पड़ गयी। इसलिए ऋषि ने तृतीय पूर्ण आयु (एक सौ वर्ष) की याचना की। ऋषि की सच्ची निष्ठा, भक्ति, कठोर तप तथा स्वाध्याय के लिए किये जा रहे श्रम से ब्रह्माजी प्रसन्न थे। उन्होंने ऋषि को वरदान दिया तथा ऋषिवर पुनः स्वाध्याय में लीन हो गये लेकिन कार्य का अन्त दूर-दूर तक दृष्टि में नहीं आया। तब भरद्वाज ऋषि के हृदय से सहसा यह शब्द निकल पड़े – अनन्ता वै वेदाः अर्थात् निःसन्देह, वेदों का कोई अन्त नहीं है। वेद सङ्ख्या की दृष्टि से चार ग्रन्थों तक ही सीमित नहीं हैं। वेद परम्परा के अनुसार अनन्त और सनातन ज्ञान हैं।

प्रतिष्ठान वेदों के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न कार्यकलापों का अनवरत आयोजन कर रहा है। इसी शृङ्खला में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार ओङ्कारेश्वर धाम में पञ्चदिवसीय कार्यक्रम 'आचार्य शङ्कर प्रकटोत्सव (एकात्म पर्व)' में प्रतिष्ठान ने सस्वर चतुर्वेद पारायण, शङ्कर स्तोत्र पारायण, हवन आदि विधि के दायित्वों का सफल निर्वहन किया। राजभाषा निरीक्षण के अवसर पर राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रतिष्ठान की प्रतिबद्धता एवं प्रयत्नों को प्रशंसा प्रसून प्राप्त हुआ। वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम देश के अलग-अलग स्थानों पर समायोजित करते हुए वेदाध्यापकों में नवीन ज्ञान कलेवर को बढ़ाया गया। आधुनिक विषयों के अन्तर्गत गणित, सामाजिक विज्ञान तथा विज्ञान के सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

इस प्रकार प्रतिष्ठान ने अपनी कार्यविधि में कोई आलस्य का व्यवहार नहीं आने दिया तथा वेद के प्रचार-प्रसार हेतु समस्त कार्य अनवरत चलते रहे। इस हेतु प्रतिष्ठान से सम्बद्ध समस्त वेद पाठशालाओं की प्रबन्धन समिति के पदाधिकारियों तथा सदस्यों, वेद पाठशालाओं तथा गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों के समस्त गुरुओं के प्रति कृतज्ञ हैं कि आप सभी का सहयोग वेद की उन्नति हेतु प्राप्त हो रहा है जिससे हम निरंतर कार्य कर पा रहे हैं। इसके लिए हम सभी को साधुवाद देते हैं।

प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्,
सचिव, म.सा.रा.वे.वि.प्र., उज्जैन

• अध्यक्ष : **श्री धर्मेन्द्र प्रधान**
माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार एवं
माननीय अध्यक्ष
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

• उपाध्यक्ष : **प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा**
माननीय उपाध्यक्ष
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

• प्रधान सम्पादक : **प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

• सम्पादक : **डॉ. अनूप कुमार मिश्र**
सहायक निदेशक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

• सह-सम्पादक : **श्री देवाशीष तिवारी**
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
डॉ. शम्भुनाथ मण्डल
कनिष्ठ शोध अध्येता, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

• तकनीकी सहयोग : **श्री शैलेन्द्र डोडिया**
डी.ई.ओ., महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

प्रकाशक :
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
दूरभाष : (0734) 2502254, 2502255
ई-मेल : msrvvpujn.edu@gov.in; msrvvpujn@gmail.com
वेबसाइट : www.msrvvp.ac.in

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण

वेद अध्ययन की श्रुति / मौखिक परम्परा को संरक्षित, संवर्धित एवं विकसित करने के उद्देश्य से सोसाइटी पञ्जीकरण अधिनियम, 1860 (1860 की XXI) के अनुसार दिल्ली सें 20 जनवरी 1987 को संस्थापना स्मरणपत्र और नियमों के पञ्जीयन सं S-17451/1987 के अन्तर्गत "राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" नामक स्वायत्त संस्थान का अखिल भारतीय सोसाइटी के रूप में गठन किया गया। प्रतिष्ठान की स्थापना को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने संकल्प (Resolution) संख्या एफ. 6-3/85- संस्कृत-IV द्वारा दिनाङ्क 30 मार्च 1987 को राजपत्र द्वारा प्रकाशित कर उद्घोषित किया। सस्वर वेदघोष के साथ श्रावण पूर्णिमा/रक्षाबन्धन/वेदारम्भ के पावन दिन में राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान का उद्घाटन 10.08.1987 को राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली में हुआ।

महर्षि सान्दीपनि, जिन्होंने उज्जयिनी में अपने वेद-वेदाङ्ग-कला आदि विद्याओं का गुरुकुल की स्थापना कर भगवान् श्रीकृष्ण को समस्त वैदिक ज्ञान प्रदान किया था, उन के स्मरण में, मई 1993 में उज्जैन में स्थानान्तरित होने के उपरान्त महर्षि सान्दीपनि के स्मरण में "महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" के नाम से भारत सरकार, शिक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या F.6-21/92-संस्कृत-2 दिनाङ्क 24.12.1993 द्वारा राजपत्र खण्ड-1, अनुभाग-1 में राजपत्र द्वारा उज्जैन में उद्घोषित हुआ। महाकाल ज्योतिर्लिङ्ग से दक्षिण दिशा में, जवासिया गांव में मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त 23.6 एकड़ भूखण्ड में प्रतिष्ठान का हरित परिसर है एवं विविध भवन निर्मित हैं।

प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र में उल्लिखित 12 उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(i) वेद अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण, संवर्धन एवं विकास, जिसके लिए प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा। जैसा कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना, दृश्य और श्रव्य टेप रिकार्डिंग आदि।

(ii) वेद विद्वानों एवं वेद पण्डितों के माध्यम से मौखिक सस्वर वेदपाठ की परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखना एवं उस पर बल देना।

(iii) वेद में उच्चतर शोध हेतु समर्पित विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना।

(iv) जिन विद्यार्थियों को वेद में निष्णता प्राप्त है, उन्हें शोध की सुविधाएं देना और उनमें समुचित वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना; जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, ऋतुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रव्यचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उस का समसामयिकता/तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी से स्थापित किया जा सके साथ ही वेद विद्यार्थियों तथा आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ वैचारिक सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।

(v) देशभर में वेद पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिए उनका सञ्चालन करना या भरण-पोषण आदि करना।

(vi) जो भी वेद के धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं, या ठीक ढंग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना एवं वेद प्रसार हेतु उनका प्रबन्ध पुनः चलाना।

(vii) उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो चुकी हैं, जिनके निपुण जानकार पण्डितों को खोजकर उन पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।

(viii) यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर वेद पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं तथा उनकी वर्तमान स्थिति क्या है ?

(ix) वेद शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं की मूल-पाठ सामग्रियों, पाण्डुलिपियों के मुद्रण, ग्रन्थ, पुस्तकें, टीकाएँ, भाष्य एवं व्याख्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

(x) देश में नाना वेद शाखाओं के दृश्य या श्रव्य रिकॉर्ड उपलब्ध हैं उनके बारे में जानकारी संग्रह करना।

(xi) अत्यन्त प्राचीन काल से अद्यतन काल तक वेद मूलपाठ एवं वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र सम्मिलित हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना तथा ग्रन्थालय, अनुसन्धान सुविधाएँ, मानव शक्ति, तकनीकी स्टाफ आदि का प्रावधान करना।

(xii) प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र के अनुरूप, प्रतिष्ठान के सभी उद्देश्यों या उद्देश्य की सफल प्राप्ति हेतु आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक सभी कार्यकलाप प्रारम्भ करना।

महासभा, शासी परिषद एवं वित्त समिति प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री जी प्रतिष्ठान के योजना निकाय महासभा एवं प्रशासनिक निकाय शासी परिषद के अध्यक्ष हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा माननीय उपाध्यक्ष जी नामित किए जाते हैं। माननीय उपाध्यक्ष जी वित्त समिति एवं परियोजना समिति के माननीय अध्यक्ष हैं।

प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप

प्रतिष्ठान द्वारा देश भर में वेद के प्रचार-प्रसार के लिये- वेद पाठशालाओं, गुरु शिष्य परम्परा इकाइयों, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों, शोध एवं प्रकाशन, सम्मेलन, सङ्गोष्ठी, कार्यशाला, वेद पारायण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, वेद प्रशिक्षण, वेद ज्ञान सप्ताह, वैदिक कक्षाएँ, वेद टेप रिकार्डिंग, घर बैठे वेदों की शिक्षा, वयोवृद्ध एवं वेदपाठियों-नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता आदि योजनागत कार्य किए जाते हैं। प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक परम्परा के संरक्षण के लिए सञ्चालित योजनाएँ :-

1. वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना (गुरु शिष्य योजना एवं पाठशाला योजना)
2. वेद शोध केन्द्र
3. वैदिक प्रशिक्षण केन्द्र
4. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय
5. वैदिक संग्रहालय
6. वेद-विज्ञान प्रदर्शनी
7. शोध, प्रकाशन एवं पुस्तकालय
8. यज्ञशाला एवं ध्यान मंडप गतिविधियां
9. वेद ज्ञान सप्ताह समारोह
10. सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ
11. वैदिक सम्मेलन एवं सङ्गोष्ठियाँ
12. वैदिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
13. सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार
14. वेदविद्या शोध पत्रिका एवं वेदवार्ता वार्तापत्र
15. पत्राचार पाठ्यक्रम : घर बैठे वेदों की शिक्षा
16. वयोवृद्ध वेदपाठियों, नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता
17. वैदिक वनौषधि परियोजना
18. वैदिक कौशल विकास परियोजना

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड को मान्यता

क. शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने दिनाङ्क 08.09.2022 के अपने पत्र सं. 3-14/2018-Skt.I के माध्यम से महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) को एक नियमित विद्यालय बोर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। तदनुसार, मसारावेसंशिबोर्ड द्वारा प्रदत्त वेद भूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा 10वीं) और वेद विभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) प्रमाणपत्र हमारे देश में स्थित उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और केन्द्र / राज्य सरकारों के संस्थानों/निकायों में रोजगार के प्रयोजन से भारत के अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा प्रदत्त प्रमाणपत्रों के समतुल्य हैं।

(लिंक 1:https://msrvvp.ac.in/Board_letter_from_ME_MOE.pdf;

लिंक 2: https://www.education.gov.in/national-boards)

ख. भारतीय विश्वविद्यालय संगठन द्वारा मान्यता

भारतीय विश्वविद्यालय संगठन ने 3 अगस्त 2022 के अपने पत्र सं. AIU/EV/ IN(I)2022/ MSRVSSB के माध्यम से मसारावेसंशिबोर्ड की परीक्षाओं/ अर्हताओं/पाठ्यक्रमों को भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों / पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के अधीन रोजगार के प्रयोजन से केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों के 10वीं और 12वीं बोर्ड/माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर की परीक्षाओं/ अर्हताओं/पाठ्यक्रमों के समतुल्यता प्रदान की है।

(लिंक 1: https://msrvvp.ac.in/AIU-Letter.pdf ;

लिंक 2: https://msrvvp.ac.in/Equivalence_Letter_from_AIU_250124_214435.pdf)

ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने दिनाङ्क 13-09-2022 के अपने परिपत्र सं. AICTE/P&AP/Misc/2022 के माध्यम से मसारावेसंशिबोर्ड की स्थापना को मान्यता प्रदान की है और मसारावेसंशिबोर्ड, उज्जैन द्वारा सञ्चालित 10वीं और 12वीं ग्रेड की बोर्ड परीक्षा/अर्हता/पाठ्यक्रमों को भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के अधीन रोजगार के प्रयोजन से भारत के अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा सञ्चालित परीक्षा/अर्हता के समतुल्यता प्रदान की है।

वेद भूषण अर्थात् पञ्चम वर्ष (10 वीं कक्षा) और वेद विभूषण अर्थात् सप्तम वर्ष (12वीं कक्षा) हेतु बोर्ड की अंक तालिका विद्यार्थियों को 2022-23 से जारी की जा रही है।

(लिंक: https://msrvvp.ac.in/Circular_paP_220924_115837.pdf)

घ. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 3 सितम्बर 2024 के अपने पत्र अ.शा. सं. 14-2/2023(CPP-II) (C-133004) के माध्यम से सभी विश्वविद्यालयों और उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध किया था कि उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और केन्द्र/राज्य सरकारों के संस्थानों में रोजगार के प्रयोजन से अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा सञ्चालित परीक्षा/अर्हता/पाठ्यक्रमों के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान (मसारावेविप्र) के अधीन महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड), उज्जैन द्वारा सञ्चालित 10वीं और 12वीं ग्रेड की बोर्ड परीक्षा/अर्हता/पाठ्यक्रमों की समतुल्यता के संदर्भ में शिक्षा मन्त्रालय द्वारा 8 अगस्त 2022 के कार्यालय ज्ञापन का ध्यान रखने और इसके अनुसरण में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

(लिंक : https://msrvvp.ac.in/ugc_recognition.pdf)

वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना

वेदभूषण (कक्षा-6ठी से कक्षा-10वीं) तथा वेदविभूषण (कक्षा-11वीं एवं कक्षा -12वीं) की परीक्षा रूपरेखा और पाठ्यक्रम संरचना को अत्यन्त ध्यानपूर्वक इस प्रकार तैयार किया गया है कि वेद छात्रों की वैदिक एवं आधुनिक विषयों की अधिगम प्रगति, पारम्परिक दक्षता तथा सर्वाङ्गीण विकास का समुचित मूल्याङ्कन किया जा सके।

पाठ्यक्रम में पारम्परिक वैदिक शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक विषयों का समन्वय किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को सन्तुलित एवं समग्र शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो सके। जहाँ आधुनिक विषयों की शैक्षणिक सामग्री सीबीएसई तथा राज्य शिक्षा बोर्डों के मानकों के अनुरूप पूर्णतः सामञ्जस्यपूर्ण है, वहीं वैदिक अध्ययन (वेद अध्यापन) अब भी प्राचीन एवं प्रतिष्ठित परम्परागत गुरुकुल पद्धति के अनुरूप ही कराया जाता है जिसमें चयन की गई वेद शाखा का सस्वर वेद अध्ययन, संध्या, अग्निकार्य, वेद पारायण, श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ तथा यज्ञ में सहभागिता सम्मिलित हैं, जिससे वैदिक परम्परा की प्रामाणिकता, अनुशासन तथा मौखिक सम्प्रेषण की पारम्परिक पद्धति अक्षुण्ण बनी रहती है। यह समन्वित दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप है, जो भारत की समृद्ध पारम्परिक ज्ञान-परम्पराओं को आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर बल देती है।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यविवरण को NCERT द्वारा परीक्षित एवं पुनरीक्षित कर संबद्धता उपविधि तथा परीक्षा उपविधि को CBSE द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय शैक्षणिक विश्वसनीयता तथा स्थापित शैक्षिक मानकों के अनुपालन सुनिश्चित होते हैं। उपविधियों/पाठ्यक्रम को आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय मानकों के अनुसार अद्यतन किया जाएगा।

वेदभूषण एवं वेदविभूषण परीक्षा प्रणाली के निम्नलिखित घटक हैं :-

1. सस्वर वेद मौखिक परीक्षा, जिसका उद्देश्य पारम्परिक वैदिक अध्ययन की मूल दक्षताओं का मूल्याङ्कन करना है, जिसमें निम्नलिखित प्रणाली सम्मिलित है:

(i) कण्ठस्थीकरण – वेद मन्त्रों की परिशुद्ध स्मरण क्षमता का परीक्षण;

(ii) सस्वर पाठ – सही अनुतान, उच्चारण एवं वैदिक मन्त्रोच्चार के निर्धारित पाठ-पद्धति के पालन का आकलन;

(iii) उच्चारण – वैदिक मानकों के अनुसार ध्वन्यात्मक शुद्धता सुनिश्चित करना।

2. सहगामी आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षा, जिसमें संस्कृत, अंग्रेज़ी, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा वैदिक साहित्य का इतिहास जैसे विषय सम्मिलित हैं। ये परीक्षाएँ छात्रों की मुख्यधारा के शैक्षणिक विषयों में प्रवीणता का मूल्याङ्कन करती हैं, जिससे वे वैदिक अध्ययन के साथ-साथ समकालीन शैक्षिक मानकों को भी प्राप्त कर सकें।

3. अतिरिक्त विषयों की परीक्षा, जिसमें मातृभाषा, योग एवं ध्यान, कम्प्यूटर शिक्षा, सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पादक कार्य (SUPW), व्यक्तित्व विकास तथा नैतिक शिक्षा सम्मिलित हैं। ये विषय वैदिक छात्रों के समग्र विकास में योगदान करते हैं क्योंकि ये उनकी सांस्कृतिक आधारशिला को सुदृढ़ करते हैं, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाते हैं, शारीरिक एवं मानसिक कल्याण को संवर्धित करते हैं, सामाजिक दायित्वबोध विकसित करते हैं तथा मूल्य-आधारित चरित्र निर्माण को सशक्त बनाते हैं।

4. वेद-सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों की परीक्षा:- इन परीक्षाओं में लिखित, प्रायोगिक, मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) तथा परियोजना कार्य घटक के रूप में सम्मिलित हैं। ये सभी घटक वैदिक छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास हेतु आवश्यक जीवन-कौशल, व्यावसायिक दक्षताओं, विश्लेषणात्मक चिन्तन तथा व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने के उद्देश्य से अभिकल्पित हैं।

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों का गतिविधि वृत्तान्त

क. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन में विविध वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 07.04.2025 को रामनवमी उत्सव के अन्तर्गत सभी छात्रों द्वारा वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड का सामूहिक पारायण किया गया। इसी क्रम में दिनाङ्क 12.04.2025 को वेद सम्बन्धी कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिष्ठान परिसर स्थित यज्ञशाला में सभी गुरुजनों द्वारा रा.आ.वे.वि., उज्जैन के छात्रों को कुशकण्डिका प्रयोग सिखाया गया।

दिनाङ्क 24.04.2025 से 29.04.2025 पर्यन्त महाकालेश्वर परिसर, उज्जैन में आयोजित सोमयाग में रा.आ.वे.वि., उज्जैन के छात्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। तत्पश्चात, ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारतीय सशस्त्र सेनाओं के मनोबल की अभिवृद्धि एवं भारतीय सशस्त्र सेनाओं की सर्वत्र विजय हेतु दिनाङ्क 08.05.2025 से वेदमन्त्र जाप, वेदपारायण एवं यज्ञानुष्ठान रा.आ.वे.वि., उज्जैन के छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा नित्य सम्पन्न किया गया।

इसी प्रकार दिनाङ्क 05.06.2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा प्रतिष्ठान परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इसी अनुक्रम में दिनाङ्क 10.07.2025 को गुरु पूर्णिमा के सुअवसर पर प्रतिष्ठान परिसर में सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के ऐतरेय भवन के सम्मुख स्थित भगवान वेद व्यास का अभिषेक एवं पूजन सम्पन्न हुआ। दिनाङ्क 27.07.2025 को छात्रों के समग्र बौद्धिक विकास की दृष्टि से कोलकाता विश्वविद्यालय के प्रो. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। दिनाङ्क 07.08.2025 से 09.08.2025 पर्यन्त आयोजित अखिल भारतीय स्तर की चतुर्वेद शलाका, चतुर्वेदान्त्याक्षरी एवं वैदिक प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा विभिन्न पुरस्कार भी प्राप्त किए गए। इसके उपरान्त दिनाङ्क 09.08.2025 को रा.आ.वे.वि., उज्जैन के सभी छात्रों द्वारा शाखानुसार श्रावणी उपाकर्म अनुष्ठित किया गया।

इसी क्रम में दिनाङ्क 27.08.2025 से अनन्त चतुर्दशी पर्यन्त सभी छात्रों के कौशल वृद्धि की दृष्टि से गणेश चतुर्थी अनुष्ठान में नित्य पूजन एवं नीराजन छात्रों द्वारा सुसम्पादित किया गया। तत्पश्चात दिनाङ्क 29.08.2025 को रा.आ.वे.वि., उज्जैन में अध्ययनरत छात्रों की

कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में क्रीड़ा स्पर्धाओं का आयोजन किया गया तथा दिनाङ्क 28.09.2025 से शरदीय नवरात्र में षष्ठी से नवमी पर्यन्त माँ सरस्वती का आह्वान, चतुर्वेद पारायण, पूजन एवं विसर्जन सम्पन्न हुआ।

ख. श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी (ओडिशा)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी (ओडिशा) में विविध वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 21.06.2025 को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय में योगासन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके उपरान्त दिनाङ्क 27.06.2025 को श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के निमित्त वेदपारायण सम्पन्न किया गया। दिनाङ्क 10.07.2025 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर व्यास पूजन उत्सवाङ्गभूत रूप से सम्पन्न हुआ। दिनाङ्क 03.08.2025 से 09.08.2025 तक म.सा.रा.वे.वि.प्र., उज्जैन के 39वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में आयोजित वैदिक प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों ने सहभाग किया। इसके साथ ही दिनाङ्क 15.08.2025 को स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा दिनाङ्क 27.08.2025 को श्री गणेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाङ्क 05.09.2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छात्रों द्वारा विविध प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा दिनाङ्क 30.09.2025 को शारदीय नवरात्र उत्सवाङ्गभूत सरस्वती पूजन अनुष्ठित किया गया।

ग. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका (गुजरात)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका (गुजरात) में विविध वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 06.04.2025 को श्री रामनवमी उत्सव के उपलक्ष्य में पूजन-अर्चन तथा दिनाङ्क 12.04.2025 को हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पाठ, आरती आदि किया गया। तत्पश्चात, ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारतीय सशस्त्र

सेनाओं के मनोबल की अभिवृद्धि एवं भारतीय सशस्त्र सेनाओं की सर्वत्र विजय हेतु दिनाङ्क 11.05.2025 को वेदमन्त्र जाप, वेदपारायण एवं यज्ञानुष्ठान का आयोजन विद्यालय में किया गया।

दिनाङ्क 21.06.2025 को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में माननीय प्रधानमन्त्री जी का उद्बोधन टीवी के माध्यम से दिखाया गया और योगादि कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। दिनाङ्क 15.08.2025 को 79 वें स्वतन्त्रता दिवस उत्सव एवं नगर शोभा-यात्रा का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 16.08.2025 को कृष्ण जन्माष्टमी पर पूजन अर्चन किया गया। दिनाङ्क 29.08.2025 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अन्तर्गत विभिन्न स्पर्धाओं व खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 05.09.2025 को राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका के तृतीय स्थापना दिवस एवं शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में वेदान्त्याक्षरी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 27.09.2025 को सेवा पर्व 2025 (सेवा पर्व-विकसित भारत हेतु अन्तर्दृष्टि) के अन्तर्गत कलादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 29.09.2025 महासप्तमी से दशहरा पर्यन्त पूजनादि किया गया।

घ. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी (असम)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी (असम) में विविध वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी (असम) का स्थापना दिवस दिनाङ्क 01.09.2025 को उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें सामूहिक रूप से छात्रों एवं अध्यापकों ने गणपति पूजन, पुण्याहवाचन एवं सर्वदेवहोम आदि अनुष्ठान सकुशल सम्पन्न किए। इस अवसर पर अध्यापकगण में श्री सौरव नौटियाल, श्री मिथिलेश पाण्डेय (उज्जैन), श्री राकेश शर्मा (उज्जैन) एवं श्री लक्ष्मीकान्त जोशी (गुवाहाटी) उपस्थित रहे। इसके उपरान्त, दिनाङ्क 06.09.2025 को गणपत्यथर्वशीर्ष का सामूहिक पारायण अनन्त चतुर्दशी के पावन अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें श्री सौरव नौटियाल, श्री मिथिलेश पाण्डेय, श्री राकेश शर्मा, श्री नन्दलाल श्रोत्रिय, श्री लक्ष्मीकान्त जोशी, श्री ऋषिकेश पोखरकर एवं सभी छात्र उपस्थिति रहे। इसी क्रम में, दिनाङ्क 19.09.2025 को प्रदोष पारायण का आयोजन शुक्ल यजुर्वेद काण्व शाखा के छात्रों तथा ऋषिकेश पोखरकर, अध्यापक सहित अन्य सभी छात्र एवं अध्यापकगण की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया।

इसी अनुक्रम में दिनाङ्क 21.09.2025 को प्रतिष्ठान के नियमानुसार अमावस्या के दिन चतुर्वेद पारायण- शुक्ल यजुर्वेद काण्व शाखा, शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा, सामवेद कौथुम शाखा एवं अथर्ववेद शौनक शाखा- समस्त छात्रों एवं अध्यापकों की उपस्थिति में विधिवत सम्पन्न हुआ तथा दिनाङ्क 23.09.2025 को राष्ट्रीय गायक जुबीन गर्ग की आत्मा शांति हेतु रा.आ.वे.वि गुवाहाटी में सभी छात्र, अध्यापक एवं स्टाफ सदस्यों ने एकत्र होकर श्रीमद्भगवद्गीता के द्वादश एवं पञ्चदश अध्याय का पाठ कर भावपूर्ण श्रद्धाञ्जलि अर्पित की। इसी

प्रकार दिनाङ्क 27.09.2025 को शारदीय नवरात्र के पञ्चम दिन छात्रों एवं अध्यापकों ने सामूहिक रूप से माँ कामाख्या के दर्शन हेतु शैक्षणिक यात्रा की तथा मन्दिर परिसर में चतुर्वेद पारायण, श्रीसूक्त एवं कामाख्या स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया। दिनाङ्क 29.09.2025 को शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में सप्तमी तिथि से लेकर दशहरा विसर्जन पर्यन्त सरस्वती पूजन, स्तोत्र पाठ एवं वेद पारायण समस्त छात्र एवं अध्यापकों की उपस्थिति में श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ।

ङ. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक

विश्वावसु संवत्सर, अश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया, दिनाङ्क 23.08.2025 को राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक का शुभारम्भ सुसम्पन्न हुआ। शुभारम्भ अवसर पर अध्यापकों एवं छात्रों ने गणपति पूजन एवं सरस्वती होम विधिपूर्वक अनुष्ठित किया, जिसमें श्री रङ्गनाथ जोशी (ऋग्वेद अध्यापक) के मार्गदर्शन एवं नियोजन में श्री चिदानन्द शास्त्री, श्री शशाङ्क, श्री रोहित, श्री अजय, श्री वेङ्कटेश सहित समस्त छात्रगण की सक्रिय सहभागिता रही। इसी क्रम में विश्वावसु संवत्सर अश्विन शुक्ल पक्ष नवमी, दिनाङ्क 30.09.2025 को श्री योग नरसिंह मन्दिर में नवरात्र के अवसर पर चतुर्वेद पारायण आयोजित किया। इस पावन अवसर पर श्री रङ्गनाथ जोशी, ऋग्वेद अध्यापक इनके नियोजन में श्री चिदानन्द शास्त्री, श्री शशाङ्क, श्री रोहित, श्री अजय, श्री वेङ्कटेश एवं समस्त छात्रगण चतुर्वेद पारायण में सम्मिलित हुये एवं नवरात्र का यह अनुष्ठान अत्यन्त श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

65वीं परियोजना समिति से स्वीकृत प्रतिष्ठान के विविध कार्यक्रम (2025-2026)

परियोजना समिति की दिनाङ्क 25 अप्रैल, 2025 को आयोजित बैठक में विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से विविध कार्यक्रम आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की गई, जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन

* प्रथम वरीयता की दृष्टि से, दिल्ली में किसी संस्था के सहयोग से आयोजित किया जाए
* Poornaprajna Samshodhana Mandiram, Bengaluru, Karnataka

क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

* Thanthra Vidyapeedham, U C College P.O. Aluva- Kerala-683102
* श्री पद्मवैद्यम तीर्थ वेद विद्यालय सञ्चालित श्री ऋतुराज सेवा समिति, ग्राम-गुरौली, पो.ऑ. छपियाँ, जि. गोरखपुर-273016 (उ.प्र.)
* Shree Ayodhyaprasadji Vaidik Pathshala under Shree Swami Narayan Mandir Jetalpurdham, Taluka-Daskoi, Dist-Ahemdabad, Gujarat-382427
* श्री हनुमत संस्कृत वेद विद्यापीठ, लक्ष्मण नगर, भामिया कलां रोड नजदीक सुन्दर नगर चौक, 33 फुट रोड, लुधियाना, पंजाब 141015
* आचार्य वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेद विद्यालय, आवन तह. राघौगढ़, जिला गुना (म.प्र.) 473226
* श्री गुरुकृपा वेदविद्यालय संस्था, एन.एच. 25 दर्जियों की ढाणी माधासर बायतु, बालोतरा, राजस्थान
* उपर्युक्त किसी भी संस्था द्वारा कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाने की स्थिति में -चूड़ामणि संस्कृत संस्थान, विश्वस्थली (बसोहली), कठुआ, जम्मू-कश्मीर-184201
* **उत्तरपूर्वी राज्य में** – Prachyavidya Vedic Sansthanam, Arya Nagar, Sri Shiv Shitala Hanuman Mandir Dr. B.K. Kakati Raod, Gopinath Nagar, Guwahati, 16 Assam

अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी/ कार्यशाला का आयोजन

* Central University of Odisha, Koraput, Dept of Sanskrit, CUO, Koraput
* महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
* कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा, बिहार
* आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहाबाद मारकण्डा, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा
* श्री द्वारकाधीश शोध संस्थान, द्वारका अथवा इनके संयोजक सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल के सहयोग से
* लेखकगाँव, देहरादून, उत्तराखण्ड में "स्पर्श हिमालय फाउण्डेशन, देहरादून, उत्तराखण्ड" के सहयोग से
* सङ्ख्या पूर्ण न होने की स्थिति में परियोजना समिति के माननीय अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष महोदय की अनुमति से वाराणसी में /विश्वभारती शान्ति निकेतन में अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी
* हरिद्वार संस्कृत विभाग, गुरुकुल काङ्गडी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार।
* कश्मीर में
* **उत्तरपूर्वी राज्य में** – Kumar Bhaskar Varma Sanskrit & Ancient Studies University, P.O. Hati Namati, District Nalbari-781337, Assam

वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन

* पाणिनि कन्या महाविद्यालय, बी-38/77 तुलसीपुर, महमूरगंज, वाराणसी
* जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (समविश्वविद्यालय), उदयपुर, राजस्थान 313001
* शासकीय संस्कृत महाविद्यालय भितरी, जिला सीधी (म.प्र.)

सभी के लिए वैदिक कक्षाओं का आयोजन

* श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का प्राधिकरण भवन, भरतपुरी, उज्जैन

द्वादश ज्योतिर्लिङ्गों में द्वादश सौमिक सुवृष्टि सोमयाग

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा वेदों के संरक्षण, प्रचार-प्रसार तथा वेदों में निहित ज्ञान राशि का अनुप्रयोग एवं अनुसन्धान के उद्देश्य से वेद ऋषियों द्वारा दृष्ट जलवायु परिवर्तन, वर्षा पैटर्न, वृष्टिविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, मौसम विज्ञान, कृषि विज्ञान के प्रायोगिक ज्ञान-अनुप्रयोग पक्षों के उन्नयन हेतु तथा जलाशयों में पानी के स्तर को बढ़ाने एवं मानसून की अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए शासी परिषद के निर्णयानुसार देश के द्वादश (12) ज्योतिर्लिंगों – रामेश्वरम्, भीमाशङ्कर, त्र्यम्बकेश्वर, घृष्णेश्वर, मल्लिकार्जुन, ओङ्कारेश्वर, सोमनाथ, महाकालेश्वर, नागेश्वर, वैद्यनाथ, विश्वेश्वर तथा केदारनाथ में प्रयोग रूप में 12 सोमयाग आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें से 6 सोमयाग, 6 ज्योतिर्लिङ्गों पर सम्पन्न किये जा चुके हैं । शेष 6 सोमयाग इस प्रकार सम्पन्न किये गये -

7) 12 ज्योतिर्लिंगों पर 12 सोमयागों की श्रृङ्खला में से सप्तम सोमयाग 24 अप्रैल 2025 से 29 अप्रैल 2025 की अवधि में गुजरात के सोमनाथ में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

8) 12 ज्योतिर्लिङ्गों पर 12 सोमयागों की शृङ्खला में से अष्टम सोमयाग 24 अप्रैल 2025 से 29 अप्रैल 2025 की अवधि में मध्य प्रदेश के महाकालेश्वर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

9) 12 ज्योतिर्लिङ्गों पर 12 सोमयागों की शृङ्खला में से नवम सोमयाग 02 मई 2025 से 07 मई 2025 की अवधि में गुजरात के नागेश्वर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

10) 12 ज्योतिर्लिङ्गों पर 12 सोमयागों की शृङ्खला में से दशम सोमयाग 08 मई 2025 से 13 मई 2025 की अवधि में झारखण्ड के बाबा बैद्यनाथ धाम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

11) 12 ज्योतिर्लिङ्गों पर 12 सोमयागों की शृङ्खला में से एकादश सोमयाग 23 मई 2025 से 28 मई 2025 की अवधि में वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ धाम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

12) 12 ज्योतिर्लिङ्गों पर 12 सोमयागों की शृङ्खला में से द्वादश सोमयाग 07 जून 2025 से 12 जून 2025 की अवधि में जिला रुद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड के श्री केदारेश्वर ज्योतिर्लिङ्ग में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

आचार्य शङ्कर प्रकटोत्सव (एकात्म पर्व)

वैशाख शुक्लपञ्चमी शङ्करजयन्ती के अवसर पर ओङ्कारेश्वर पुण्यक्षेत्र में दिनाङ्क 28.04.2025 से 02.05.2025 तक विविध वैदिक अनुष्ठान आचार्य शङ्कर सांस्कृतिक एकता न्यास एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा वेदपारायण, दशोपनिषद् श्रीशाङ्करभाष्य पारायण, ब्रह्मसूत्र श्रीशाङ्करभाष्य पारायण, श्रीमद्भगवद्गीता, माधवीय श्रीमत् शङ्करदिग्विजय पारायण, श्रीशाङ्करस्तोत्र पारायण, रुद्रपारायण एवं होम, विष्णुसूक्त पारायण एवं होम, अथर्वशीर्ष पारायण एवं गणपति होम, सूर्यसूक्त पारायण एवं होम, चण्डी सप्तशती पारायण एवं चण्डीहोम इत्यादि अनुष्ठान वैदिकों द्वारा विधिविधान से सम्पन्न किए गए। इस शुभ अवसर पर ओङ्कारेश्वर एकात्म धाम में पाँच दिवसीय वैदिक कार्यक्रम के आयोजन निम्नानुसार किये गये -

प्रथम दिन प्रातःकाल में श्री ओङ्कारेश्वर तथा माँ नर्मदा का पूजन एवं कलशयात्रा, तत्पश्चात् यज्ञमण्डप में सभी वैदिकों द्वारा शान्तिपाठ, प्रधान सङ्कल्प, गणपत्यादि देवता पूजन, आचार्यादि ऋत्विज् वरण, मधुपर्क इत्यादि पूजन पूर्वक वेदपारायण, दशोपनिषद् श्रीशाङ्करभाष्य पारायण, ब्रह्मसूत्र श्रीशाङ्करभाष्य पारायण, श्रीमद्भगवद्गीता श्रीशाङ्करभाष्य पारायण, माधवीय श्रीमत् शङ्करदिग्विजय पारायण, श्रीशाङ्करस्तोत्र पारायण तथा मण्डप प्रवेश, वास्तुमण्डल पूजन, योगिनीमण्डल पूजन, क्षेत्रपाल मण्डल पूजन, अरणि मन्थन, अग्नि स्थापन, नवग्रह स्थापन एवं पूजन, असङ्ख्यात रुद्र मण्डल स्थापन एवं पूजन, पञ्चायतन देवता स्थापन एवं पूजन, रुद्राभिषेक तथा नवग्रह होम। सायंकालीन सत्र में सभी स्थापित देवताओं का पञ्चोपचार पूजन, आरती एवं मन्त्रपुष्पाञ्जलि इत्यादि कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि माननीय श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पर्यटन एवं संस्कृति मन्त्री, म.प्र. तथा विशिष्ट गणमान्य साधु-सन्त गण उपस्थित रहे।

द्वितीय दिन के वैदिक कार्यक्रम - वैदिकों द्वारा प्रातः शान्तिसूक्त पारायण, गणपत्यादि मण्डप स्थापित देवताओं का पूजन, वेदपारायण, चण्डी पारायण, रुद्राभिषेक आदि। इसके अतिरिक्त गणपति होम, विष्णु होम सायंकालीन सत्र में सभी स्थापित देवताओं का पञ्चोपचार पूजन, आरती एवं मन्त्रपुष्पाञ्जलि इत्यादि कार्यक्रम किये गये।

तृतीय दिन के वैदिक कार्यक्रम - वैदिकों द्वारा प्रातः शान्तिसूक्त पारायण, गणपत्यादि मण्डप स्थापित देवताओं का पूजन, वेदपारायण, चण्डी पारायण, रुद्राभिषेक एवं बिल्वार्चन आदि। इसके अतिरिक्त चण्डी होम, रुद्र होम। सायंकालीन सत्र में सभी स्थापित देवताओं का पञ्चोपचार पूजन, आरती एवं मन्त्र पुष्पाञ्जलि इत्यादि कार्यक्रम किये गये।

चतुर्थ दिन के वैदिक कार्यक्रम - वैदिकों द्वारा प्रातः शान्तिसूक्त पारायण, गणपत्यादि मण्डप स्थापित देवताओं का पूजन, वेदपारायण, चण्डी पारायण, रुद्राभिषेक आदि। इसके अतिरिक्त सौरसूक्त जप एवं होम, स्थापित देवताओं के प्रीत्यर्थ होम। सायंकालीन सत्र में सभी स्थापित देवताओं का पञ्चोपचार पूजन, आरती एवं मन्त्रपुष्पाञ्जलि इत्यादि कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

पञ्चम दिन के वैदिक कार्यक्रम - वैदिकों द्वारा प्रातः शान्तिसूक्त पारायण, गणपत्यादि मण्डपान्त स्थापित देवताओं का पूजन, वेदपारायण, चण्डी पारायण, रुद्राभिषेक, श्रीभगवत्पादविग्रह का अर्चन एवं अभिषेक आदि। इसके अतिरिक्त स्थापित देवताओं का उत्तर पूजन एवं पूर्णाहुति होम, वैदिकों द्वारा वेदाशीर्वचन इत्यादि सम्पन्न किये गये। इस समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि माननीय मुख्यमन्त्री डॉ. मोहन यादव जी, स्वामी अवधेशानन्द जी, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल् एवं अन्य अधिकारी, सहयोगी, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के वेदाध्यापकों ने सहभागिता की।

माननीय केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री तथा प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का प्रतिष्ठान परिसर में आगमन

दिनाङ्क 06 जून 2025 को इन्दौर में आयोजित "विद्यालय एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में भारतीय भाषाओं में शिक्षा के संवर्धन" विषयक बैठक में श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय शिक्षा मन्त्री , भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष, डॉ. सुकान्त मजुमदार, माननीय शिक्षा राज्य मन्त्री, पद्मश्री श्री चमूकृष्ण शास्त्री, शिक्षा सचिव श्री विनीत जोशी आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। इस बैठक में प्रतिष्ठान द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें प्रतिष्ठान की विविध शैक्षणिक एवं वैदिक प्रकाशन सामग्री प्रदर्शित की गई। बैठक के दौरान भारतीय भाषाओं में शिक्षा के प्रसार एवं संवर्धन से सम्बन्धित विषयों पर सारगर्भित विचार-विमर्श किया गया। उसी दिवस रात्रि 8 बजे श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष जी के प्रतिष्ठान परिसर में आगमन के अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने उनका स्वागत किया तथा प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित विविध योजनाओं, प्रकल्पों, शैक्षणिक कार्यकलापों की अद्यतन स्थिति से उन्हें अवगत कराया। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष जी ने प्रतिष्ठान परिसर में निर्मित भवनों तथा बनाये जा रहे नवीन भवनों का निरीक्षण करते हुए सम्पूर्ण परिसर का अवलोकन किया।

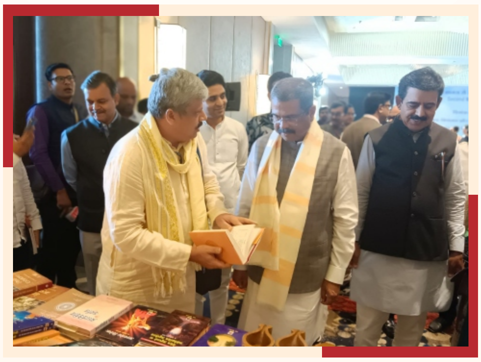

राजभाषा निरीक्षण के अवसर पर प्रतिष्ठान के हिन्दी प्रयत्नों को मिला प्रशंसा-प्रसून

दिनाङ्क 06 जून 2025 को भारत सरकार, गृह मन्त्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल के उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालयाध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा द्वारा प्रतिष्ठान का राजभाषाई निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने उनका माल्यार्पण कर, शॉल, श्रीफल एवं वेद कल्पतरु (प्रतिष्ठान द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के माध्यम से प्रकाशित) की प्रति भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। तत्पश्चात् श्री लवी त्यागी, सहायक निदेशक (प्रशा. एवं स्था.), श्री संजय श्रीवास्तव, हिन्दी अधिकारी एवं सहायक निदेशक (शैक्षणिक), श्री आकाश कुमार देवेश मिश्रा, सहायक निदेशक (परीक्षा), श्री देवाशीष तिवारी (कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक) ने श्री नरेन्द्र मेहरा को प्रतिष्ठान में राजभाषा हिन्दी से सम्बन्धित कार्यकलापों एवं राजभाषा नीति के अनुपालन की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

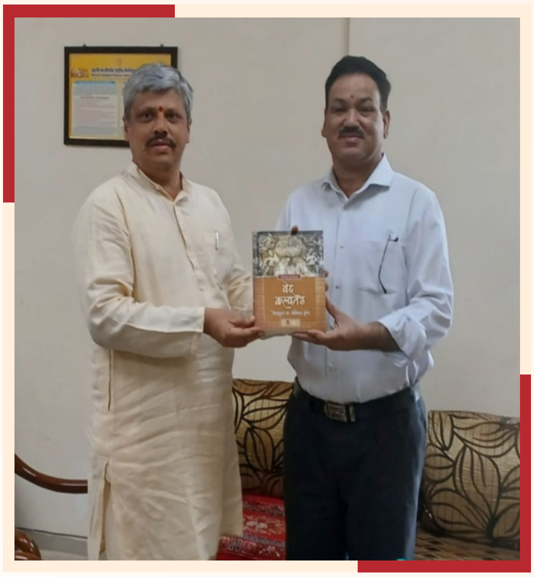

अपने निरीक्षण के दौरान श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने प्रतिष्ठान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियों, कार्यालयीन पत्राचार में हिन्दी के प्रयोग, अभिलेखों के सन्धारण तथा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों का अवलोकन किया और प्रतिष्ठान द्वारा किए जा रहे राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की सराहना की। उन्होंने हिन्दी के प्रभावी एवं व्यापक प्रयोग के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करते हुए कार्मिकों को राजभाषा हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने प्रतिष्ठान में राजभाषा के प्रति प्रदर्शित सक्रियता, निष्ठा एवं समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिन्दी केवल राजभाषा ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम है। निरीक्षण कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण, प्रेरणादायी एवं सकारात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित पूरक परीक्षा (शैक्षणिक सत्र 2024-25)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 की वेदभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा-6ठी) से वेदभूषण चतुर्थ वर्ष (कक्षा-9वीं) एवं वेदविभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा-11 वीं) की पूरक परीक्षाएं दिनाङ्क 11 जून 2025 से 13 जून 2025 तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गईं। इसी प्रकार महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन द्वारा वेदभूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा-10वीं) एवं वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा-12वीं) की पूरक परीक्षाएं भी दिनाङ्क 11 जून 2025 से 13 जून 2025 तक राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन में आयोजित की गईं। इन परीक्षाओं में 1341 छात्रों ने भाग लिया।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 17 जून 2025 को श्री राम मन्दिर जवासिया में सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता, 18 जून 2025 को प्रतिष्ठान परिसर में योगसूत्र प्रतियोगिता तथा 19 जून 2025 को टावर चौक से प्रतिष्ठान के पुराने परिसर प्राधिकरण भवन, भरतपुरी तक 250 वेद वटुकों ने योग सन्देश यात्रा में भाग लिया। इस यात्रा में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के वेदाध्यापकों ने सहभागिता की।

दिनाङ्क 21 जून 2025 को योग दिवस के उपलक्ष्य में माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन उपरान्त प्रतिष्ठान परिसर, ध्यान मण्डप में प्रातःकाल 7 बजे योग दिवस मनाया गया। वर्ष 2025 की थीम "एक पृथिवी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" रही। इसका अर्थ है कि योग केवल हमारे शरीर और मन के लिए ही नहीं, किन्तु समग्र धरती के लिए आवश्यक है। जब मनुष्य स्वस्थ रहेगा, तभी समाज और प्रकृति भी सन्तुलित रहेंगे। इस थीम के कारण लोगों को केवल स्वयं के लिए नहीं, परन्तु पर्यावरण और समग्र समाज के लिए भी सचेत रहने का सन्देश दिया गया। समस्त अधिकारीयों कर्मचारियों के साथ ही अध्यापकों तथा वैदिक छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

राजभाषा सम्मेलन

दिनाङ्क 27 जून, 2025 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान में राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन कार्यालय स्तर पर किया गया। इस राजभाषा सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना और इसकी महत्ता पर प्रकाश डालना था। राजभाषा सम्मेलन का शुभारम्भ मङ्गलाचरण और अतिथियों के स्वागत से किया गया। राजभाषा सम्मेलन में विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलानुशासक एवं हिन्दी अध्ययनशाला विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन से डॉ. रूपा भावसार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल, सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान ने इस राजभाषा सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा प्रतिष्ठान परिसर में सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के वेद एवं आधुनिक विषयों के अध्यापक भी उपस्थित रहे।

राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा हिन्दी की 1947 से 2025 तक की यात्रा पर प्रकाश डाला गया, जिसमें 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रूप में अङ्गीकार करने और संविधान के अनुच्छेद 343(1) के महत्त्व का विशेष वर्णन किया गया। श्री संजय

श्रीवास्तव, हिन्दी अधिकारी एवं सहायक निदेशक (शैक्षणिक), महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान ने राजभाषा हिन्दी सम्बन्धी वार्षिक कार्यक्रम के मुख्य बिन्दुओं पर जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर राजभाषा हिन्दी के विभिन्न आयामों को सुलभ बनाने एवं प्रतिष्ठान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दैनन्दिन कार्यालयीन कार्य हेतु तैयार की गई 'राजभाषा सहायिका' नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इसी अनुक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. रूपा भावसार ने 'संघ की राजभाषा नीति' पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में शब्द ब्रह्म की अवधारणा, तकनीकी युग में हिन्दी एवं हिन्दी शब्दकोश तथा राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 आदि पहलुओं से सभी को अवगत कराया एवं सभी का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओ में सामंजस्य और उनकी अन्योन्याश्रिता पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में वेदों में निहित ज्ञान राशि का विस्तृत रूप से वर्णन किया एवं महर्षि पतञ्जलि को उद्धृत करते हुए 'एकः शब्दः सम्यक् ज्ञातः सुप्रयुक्तः स्वर्गे लोके च कामधुग् भवति' के माध्यम से शब्दों की सूक्ष्म अभिव्यञ्जना को समझाते हुए शब्दों के सही एवं समुचित प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने संस्कृत को भाषाओं की जननी बताते हुए यह भी बताया की किस प्रकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी की शब्द सम्पदा में समृद्धि हेतु मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करने का उपबन्ध है। अध्यक्षीय उद्बोधन के उपरान्त शान्ति पाठ के माध्यम से विश्व शान्ति और सद्भाव की मङ्गल कामना की गई एवं शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher Course) प्रशिक्षण का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा समस्त अनुदानित वेद पाठशालाओं/इकाइयों के वैदिक अध्यापकों ने वैदिक शिक्षण की तकनीकि विकास, कौशल, वैदिक अध्ययन-अध्यापन में एक दूसरे के साथ सामञ्जस्य, एकरूपता एवं आचार्यों की योग्यता में गुणवत्ता लाने हेतु इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है, जिसका अप्रत्याशित लाभ प्रतिष्ठान के समस्त आचार्यों को प्राप्त हो रहा है। विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम को उच्चकोटि का बनाने हेतु सस्वर वेद में दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये । वेद पाठशालओं/गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों के वेद अध्यापकों की सेवाएँ 5 वर्ष अथवा 10 वर्ष पूर्ण होने पर मानदेय वृद्धि प्रदान किया जाता है। ऐसे वेद अध्यापकों के लिये वर्ष 2025-26 में देश के विभिन्न स्थानों पर निम्नानुसार पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किये गये :

क्र.	प्रशिक्षण का स्थान	वेदशाखा	प्रशिक्षण दिनाङ्क
1.	श्री राजराजेश्वरी वेदगुरुकुलम् पोस्ट मठदेवला, सिरसी स्वर्णवल्ली, कर्नाटक- 581336	ऋग्वेद शाकल शाखा	20 जून से 04 जुलाई 2025
2.	श्री स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय, बी-1/148, श्रीकाशीधर्म पीठ, अस्सी, वाराणसी, (उ.प्र.)	शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा	20 जून से 04 जुलाई 2025
3.	श्री पीताम्बरा शक्ति पीठ वेद पाठशाला, ग्रा. बिरुरा, पो. कल्लीपश्चिम, जिला लखनऊ (उ.प्र)	शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा	20 जून से 04 जुलाई 2025
4.	श्री निजानन्द वेद विद्यालय, वेदश्री तपोवन, आलन्दी - मौशीरोड, मौशी, जिला - पुणे, महाराष्ट्र	शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा	21 जून से 05 जुलाई 2025
5.	राजावेदा काव्य पाठशाला, कुम्भकोणम, तमिलनाडु	कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा	20 जून से 04 जुलाई 2025
6.	वेदस्थली शोध संस्थान, हरिद्वार	सामवेद	20 जून से 04 जुलाई 2025
7.	श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान, जिला-भीलवाड़ा (राज.)	अथर्ववेद	20 जून से 04 जुलाई 2025

आधुनिक विषय अध्यापकों के लिए सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत

गणित एवं विज्ञान विषयों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अनुदानित वेद पाठशालाओं में सेवारत आधुनिक विषय अध्यापकों (गणित एवं विज्ञान) के अध्यापन स्तर में गुणवत्ता लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में अध्यापकों का प्रथम 07 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में दिनाङ्क 03-09 जून 2025 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल अध्यापकों के गुणवत्ता विकास की दृष्टि से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 19 आधुनिक विषय अध्यापक (गणित एवं विज्ञान) उपस्थित रहे।

द्वितीय सप्त दिवसीय प्रशिक्षण 24 जून से 30 जून 2025 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल अध्यापकों के गुणवत्ता विकास की दृष्टि से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 33 आधुनिक विषय अध्यापक (गणित एवं विज्ञान) उपस्थित रहे। सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैदिक गणित, आदर्श प्रश्न पत्र अभ्यास (गणित), सामान्य अंग्रेजी (वाक्य लेखन, लेखनकला, वार्तालाप), आदर्श प्रश्न पत्र अभ्यास (विज्ञान), कक्षा शिक्षण (गणित, विज्ञान), आदर्श प्रश्नपत्र अभ्यास (अंग्रेजी), कम्प्यूटर कक्षा, पाठ्यपुस्तक के मन्त्र भाग का अध्ययन (विज्ञान), पाठ्यपुस्तक के मन्त्र भाग का अध्ययन (गणित) कराया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में डॉ. निर्मला गुप्ता तथा श्री के.पी. त्रिपाठी जी को आमन्त्रित किया गया। समापन समारोह में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल, सहायक निदेशक डॉ. अनूप कुमार मिश्र तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापकगण उपस्थित रहे।

सामाजिक विज्ञान विषय का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सामाजिक विज्ञान विषय में भी अध्यापकों का सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में दिनाङ्क 04 जुलाई से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल अध्यापकों के गुणवत्ता विकास की दृष्टि से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 28 आधुनिक विषय अध्यापक (सामाजिक विज्ञान) उपस्थित रहे। सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा शिक्षण-राजनीति शास्त्र, आदर्श प्रश्नपत्र अभ्यास (सामाजिक विज्ञान), कम्प्यूटर, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र / समाजशास्त्र, समाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक के मन्त्र भाग का अध्ययन करया गया। समापन समारोह में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल्, सहायक निदेशक डॉ. अनूप कुमार मिश्र तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापकगण उपस्थित रहे।

आपातकाल के आलोक में संविधान हत्या दिवस

25 जून 1975 को घोषित आपातकाल, भारत की स्वतन्त्रता के बाद के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। इस दौरान मौलिक अधिकारों को निलम्बित कर दिया गया, प्रेस की स्वतन्त्रता पर अङ्कुश लगा दिया गया और लोकतान्त्रिक संस्थाओं को खामोश कर दिया गया। वर्ष 2024 में भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में अधिसूचित किया, ताकि इस घटनाक्रम को भुलाया न जाए और लोकतन्त्र की पवित्रता को लगातार बरकरार रखा जाए। अतः प्रतिष्ठान से सम्बद्ध समस्त वेद पाठशालाओं, गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों एवं राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों को निर्देशित किया गया कि वे संविधान हत्या दिवस के अवसर पर छात्रों को व्याख्यान, प्रदर्शनी एवं आपातकाल पर एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग कर सम्बन्धित जानकारी प्रदान करें।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का 39वाँ स्थापना दिवस समारोह-2025

प्रतिष्ठान परिसर में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा दिनाङ्क 07 से 09 अगस्त, 2025 को 39वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान परिसर में 03 से 09 अगस्त, 2025 तक ऋग्वेद शाकल शाखा पारायण, 05 से 09 अगस्त, 2025 तक अन्यवेदशाखाओं के पारायण का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा आयोजन (वेद सन्देश यात्रा)

दिनाङ्क 07 अगस्त 2025 को वेद शोभा यात्रा (रामघाट छोटी पुलिया से क्षीरसागर मैदान तक) का आयोजन किया गया। इस यात्रा में श्री रामानुज कोट के स्वामी रङ्गनाथाचार्य जी महाराज तथा चारधाम मन्दिर के महामण्डलेश्वर स्वामी शान्ति स्वरूपानन्द जी महाराज, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल् और समस्त अधिकारी, कर्मचारी, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के वेदाध्यापक तथा वैदिक वटुकगण ने सहभागिता की।

07 से 09 अगस्त, 2025 को विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 07 अगस्त 2025 को प्रातःकाल 10.30 बजे उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि प्रो. विजयकुमार मेनन, कुलगुरु, महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन रहे तथा प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

दिनाङ्क 08 अगस्त 2025 को प्रातःकाल 8.30 से 11 बजे तक चतुर्वेद वेदान्त्याक्षरी प्रतियोगिता, 11 से 01 बजे तक चतुर्वेद शलाका स्पर्धा प्रतियोगिता तथा अपराह्न 3 से 5.30 बजे तक वैदिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। रात्रि 7 से 8 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम में संस्कृत गानम्, तबला, नृत्यादि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय उज्जैन, गुवाहाटी, द्वारका, पुरी तथा प्रतिष्ठान से सम्बद्ध वेद पाठशालाओं एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों के छात्रों ने भाग लिया।

09 अगस्त 2025 को प्रातः उपाकर्म कार्य के उपरान्त पुरस्कार एवं सम्मान समारोह में प्रो. विजयकुमार मेनन, कुलगुरु, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि मुख्य अतिथि थे तथा प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने आगत प्रतिभागियों को उत्साह वर्धन किया। इस समारोह में सभी स्पर्धाओं में भाग लेने वाले वटुकों में से 72 विजेताओं को प्रमाण पत्र, अङ्गवस्त्र, श्री फलादि प्रदान किया गया, राशि का वितरण वटुकों के खाते में प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के अधिकारी, कर्मचारी, अध्यापक एवं वटुक उपस्थित थे।

79वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह- 2025

प्रतिष्ठान परिसर में 79वाँ स्वतन्त्रता दिवस अत्यन्त उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने ध्वजारोहण उपरान्त अपने उद्बोधन में कहा कि हमें उन स्वतन्त्रता सेनानियों के आदर्शों को स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने देश को स्वतन्त्रता दिलाने के साथ-साथ एक सर्वसमावेशी और लोक-कल्याणकारी समाज की परिकल्पना की। वस्तुतः हमारे सांविधानिक मूल्यों के निर्माण में वेदों के शाश्वत ज्ञान से प्रेरित वही दृष्टि अन्तर्निहित है, जो समता, न्याय और सामाजिक समरसता पर आधारित राष्ट्र की नींव रखती है। इसी तारतम्य में उन्होने यह भी कहा कि समग्र राष्ट्र की समृद्धि एवं सांस्कृतिक अभ्युदय हेतु वेदों के अध्ययन की श्रुति एवं मौखिक परम्परा का संरक्षण, संवर्धन और विकास महत्त्वपूर्ण है। विश्व-चेतना के उत्कर्ष का मार्ग तभी प्रशस्त हो सकता है, जब सृष्टि के आदि स्रोत वेदों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान के पठन-पाठन का व्यापक विस्तार हो। अतः यह समय की माँग है कि हम अपनी इस प्राचीनतम ज्ञान-राशि को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में आत्मसात करें, ताकि वैश्विक मानवता के कल्याण का मार्ग सुगम हो सके। इस पावन राष्ट्रीय पर्व पर प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय,उज्जैन के अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का सञ्चालन प्रतिष्ठान के सहायक निदेशक डॉ. अनूप कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम का प्रारम्भ दिवस

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा गुवाहाटी, असम में सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का प्रारम्भ दिवस दिनाङ्क 01 सितम्बर, 2025 को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में गणेश पूजन, वेद पारायण आदि सम्पन्न किये गये।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका का स्थापना दिवस

वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्द्धन में विगत 39 वर्षों से समर्पित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जनमानस तक वेद सन्देश पहुँचाने के उद्देश्य से एवं भारतीय वैदिक संस्कृति से लोगों को जोड़ने-जागरुकता लाने के लिए दिनाङ्क 05 सितम्बर 2025 को प्रात: 7.30 बजे भद्रकाली चौक, द्वारका से एक वेद सन्देश शोभा यात्रा निकाली गयी। इस शोभा यात्रा में वेदविद्यार्थी,

वेदाध्यापकों के साथ अन्य वेद प्रेमीजनों को मिलाकर लगभग 200 लोग सम्मिलित थे। यात्रा का मार्ग निम्नलिखित रहा- भद्रकाली चौक से मटकी चौक, होमगार्ड चौक, वथान चौक, मन्दिर चौक, श्रीद्वारकाधीश मन्दिर के सामने से होते हुए ब्रह्मपुरी कार्यक्रम स्थल तक वेद सन्देश शोभा यात्रा निकाली गयी।

वेद सन्देश शोभा यात्रा के उपरान्त दिनाङ्क 05 सितम्बर 2025 को प्रातःकाल 10 से 01 बजे तक चतुर्वेद वेदान्त्याक्षरी प्रतियोगिता, अपराह्न 2.30 से 3.30 बजे तक चतुर्वेद पारायण तथा अपराह्न 3.30 से 5.30 बजे तक पुरस्कार एवं समापन समारोह में मुख्यातिथि प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका, गुजरात के अध्यापक एवं वटुकगण उपस्थित थे। इस प्रकार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की स्थापना 10 अगस्त 1987 को दिल्ली में हुई थी। उस के उपरान्त सचिव पद सहित 37 पद स्वीकृत किये गये थे। किन्तु विविध कारणों से प्रतिष्ठान में कार्यरत नियमित नियुक्त कर्मचारियों की सङ्ख्या समग्र रूप से 20 से अधिक कभी नहीं रही। वर्ष 2023 तक 36 वर्षों में 20 पाठशालाओं से 137 पाठशालाएँ हुईं, 21 गुरुशिष्य से 342 गुरुशिष्य इकाइयां हुईं, छात्र सङ्ख्या 400 से 7000 हुई। 2001 से 2007 के बीच अधिकारी-गण आश्रित संरचना (Officer Cadre Based Structure) बनाने हेतु प्रयत्न किये गये किन्तु सफलता नहीं मिली। 2011 से 2013 के बीच तीन नवीन पद भरे गये। 2017 तक, पूर्व में स्वीकृत किन्तु खाली पड़े पद लगभग समाप्त हो चुके थे। देश भर में प्रतिष्ठान के विविध गतिविधियों, वेदों के कार्यक्रमों को सञ्चालित करने, वेद के संरक्षण, वेद संवर्धन कार्यक्रमों को शीघ्रता से सञ्चालित करने एवं निरीक्षण पूर्वक समुचित दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठान में विभिन्न अधिकारियों एवं कार्य करने हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के कर्तृत्वशक्ति से वर्ष 2022 में वित्त मन्त्रालय द्वारा 14 नवीन पदों को सृजन किया गया एवं समाप्त हुए 04 पदों को पुनः उज्जीवित किया गया।

भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त नियुक्ति नियमावली अनुसार विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति की गई। इसके परिणाम स्वरूप प्रतिष्ठान में कार्यरत कुल अधिकारियों एवं कार्मिकों की सङ्ख्या 31 हैं (30-09-2025 की यथातिथि)। अभी भी 5 पद नियुक्ति प्रक्रिया में हैं। सीधी भर्ती के माध्यम से चयनित निम्नलिखित नवनियुक्त अभ्यर्थियों ने पदों पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.स.	पदनाम	पदों की सङ्ख्या	चयनित अभ्यर्थी का नाम एवं कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	
1.	लेखाकार	01	श्री योगेश चन्द्र फुलोरिया	23.09.2025
2.	कनिष्ठ आशुलिपिक	01	श्री अभय प्रताप सिंह	09.09.2025
3.	अवर श्रेणी लिपिक	01	श्रीमती अञ्जली जोशी	04.09.2025
4.	अवर श्रेणी लिपिक	01	श्री रवि प्रजापति	09.09.2025

राजभाषा हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा

हिन्दी भाषा, शासन और जनता के बीच सेतु का काम करते हुए अधिकाधिक जन-भागीदारी सुनिश्चित कराती है। यह सर्वविदित है कि राष्ट्र के नव-निर्माण में हिन्दी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वतन्त्रता के पश्चात दिनाङ्क 14 सितम्बर,1949 को हमारी संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था तभी से इस दिन को हम "हिन्दी दिवस" के रूप में मनाते हैं।

विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी प्रतिष्ठान में हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़े का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 12 सितम्बर 2025 को भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के हिन्दी दिवस संदेश का वाचन प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, मसारावेविप्र द्वारा किया गया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजभाषा शपथ ग्रहण की गई। दिनाङ्क 16.09.2025 से 30.09.2025 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों तथा रा.आ.वे.वि. उज्जैन के अध्यापकों, कर्मचारियों हेतु दिनाङ्क 17.09.2025 को राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, दिनाङ्क 24.09.2025 को हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता, दिनाङ्क 25.09.2025 को राजभाषा प्रश्नमञ्च प्रतियोगिता, दिनाङ्क 26.09.2025 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता में डॉ. आर.पी.तिवारी एवं राजभाषा प्रश्नमञ्च प्रतियोगिता में श्री संजय श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, मसारावेविप्र निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। हिन्दी पखवाड़े का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 30.09.2025 को अपराह्न 4:00 बजे प्रशासनिक भवन के सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रतिष्ठान के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के अध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सचिव, मसारावेविप्र प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए सभी को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया एवं राजभाषा के संवर्द्धन हेतु सतत प्रयासरत रहने का सन्देश दिया।

अन्तरिक्ष क्रान्ति दिवस

माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के अन्तरिक्ष क्षेत्र में किए गए प्रशंसनीय योगदान तथा अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्राप्त ऐतिहासिक उपलब्धियों के सम्मान में, और भारत की अन्तरिक्ष क्रान्ति में आए रणनीतिक परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, 'इण्डिया स्पेस वीक' ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को "भारत की अन्तरिक्ष क्रान्ति के जनक" की उपाधि प्रदान करने का निर्णय लिया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि माननीय प्रधानमन्त्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 17 सितम्बर को 'अन्तरिक्ष क्रान्ति दिवस' मनाया जाएगा। इस वर्ष का विषय "बेहतर भविष्य के लिए भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम में नवाचार" था।

इसी अनुक्रम में, अन्तरिक्ष क्रान्ति दिवस 2025 के उपलक्ष्य में दिनाङ्क 17.09.2025 को प्रतिष्ठान परिसर में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन द्वारा छात्रों हेतु आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में उन्हें भारत को एक अग्रणी अन्तरिक्ष शक्ति बनाने के सङ्कल्प के साथ अन्तरिक्ष नवाचार, प्रौद्योगिकी एवं अनुसन्धान की दिशा में प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के अध्यापक, कर्मचारी एवं वटुकगण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक का प्रारम्भ दिवस

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा कर्नाटक में सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का प्रारम्भ दिवस दिनाङ्क 23 सितम्बर 2025 को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में गणेश पूजन, वेद पारायण तथा दीपोत्सव सम्पन्न किये गये।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का स्थापना दिवस समारोह

वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्द्धन में विगत 39 वर्षों से समर्पित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का स्थापना दिवस समारोह दिनाङ्क 27 सितम्बर 2025 को अत्यन्त श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम में चतुर्वेद स्वाहाकार मन्त्रपाठ, सरस्वती स्तोत्र पाठादि सम्पन्न किए गए।

वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

वर्ष 2025-26 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 3 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह की स्वीकृति प्रतिष्ठान की परियोजना समिति द्वारा प्रदान की गयी। जिसमें से एक वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:-

राजस्थान विद्यापीठ (समविश्वविद्यालय) उदयपुर, राजस्थान

दिनाङ्क 08 से 15 सितम्बर, 2025 तक संस्कृत विभाग, साहित्य संस्थान, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन उदयपुर (राज.) में किया गया।

प्रेषक / From

सचिव/Secretary,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA VIDYA PRATISTHAN
(An Autonomous Organisation of Ministry of Education, Govt. of India)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन 456006 (म.प्र.)
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasia, Ujjian 456006 (M.P.)
दूरभाष /Phone : (0734) 2502255, 2502254
ई-मेल /E-mail : msrvvpujn.edu@gov.in; msrvvpujn@gmail.com
वेबसाइट / Website : www.msrvvp.ac.in

सेवा में / To, Book-Post